समय २.३० घंटे **कुल अंक: ७५**

(कृपया जांचे कि आपको सही प्रश्न पत्र मिला है कि नहीं)

सूचना: १. सभी प्रश्न अनिवार्य |

२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं |

प्रश्न १. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो के सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए | **(३०)**

क. मुझे चुप देखकर फिर वह बोलीं, "अच्छा जाने दे इस बात को, यह बता, मैं चली गयी तो तू मुझे याद करेगा ?" उस समय मैंने कहा, "बुआ, मैं तुम्हें पीछे बहुत याद करता था।"

"मर जाऊँ, तो भी याद करेगा?"

ख. "नीला नहीं समझती थी, तुम अपमान करोगे। मैं फिर कहती हूँ कि जिन्दगी हम सबके साथ खेल करती है। जो इसको खेल नहीं मान सकते हैं, वे ही एक- दूसरे की शिकायत-आलोचना करते हैं। मैं समझती थी, तुम उससे बाहर होगे और बिना लगाव के चीजों को देख सकते होगे। देखती हूँ कि तुम...।"

ग. "थोड़ा पानी लाओ, भाड़ के सिर पर डालेंगे।"

मनोहर पानी लाया।

गंगाजल से कर-पात्रों द्वारा वह भाड़ का अभिषेक करना ही चाहता था कि सुरों रानी ने एक लात से भाड़ के सिर को चकनाचूर कर दिया !

प्रश्न २. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर विस्तार में लिखो | **(३०)**

च. त्याग-पत्र उपन्यास की नायिका मृणाल बुआ की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए।

छ. 'मुक्तिबोध' उपन्यास का तात्विक विवेचन किजिए।

ज. 'अपना अपना भाग्य' कहानी में चित्रित यथार्थ का वर्णन कीजिए?

प्रश्न ३. निम्नलिखित मुद्दों पर टिप्पणी कीजिए **(१५)**

ट. त्याग-पत्र उपन्यास का उद्देश्य

अथवा

त्याग-पत्र उपन्यास में अनमेल विवाह की समस्या

ठ. नीलिमा का चरित्र- चित्रण

अथवा

ठाकुर का चरित्र- चित्रण

ड. 'अपना अपना भाग्य' कहानी का उद्देश्य

अथवा

इनाम कहानी : मूल संवेदना

XSAGARDADMINY4C8D78XSAGARDADMINY4C8D78